NATIONAL EDUCATION POLICY-2020

Common Minimum Syllabus for all Uttarakhand State Universities and Colleges for First Three Years of Higher Education

PROPOSED STRUCTURE OF
UG- SANSKRIT
SYLLABUS

2021

online meeting

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एस० एस० जे० परिसर
...263601 उत्तराखण्ड

15 जुलाई 2022 की संस्कृत पाठ्यक्रमसमिति द्वारा 30 प्रतिशत परिवर्तन के साथ संस्तुत पाठ्यक्रम

List of all Papers in Six Semester Semester - wise Titles of the Paper in Sanskrit- National Education Policy – 2020

Year wise Structure of UG / B.A (CORE / ELECTIVE COURSE & PROJECTS)								
Subject : Sanskrit Paper								
Course/ Eatry - Exit Lavel	**Year**	**Sem.**	**Paper 1 Major Course**	**Credit/hrs**	**Paper 2 Minor/ Elective**	**vocational**	**Research project**	**Total**
					4 Credits each	**3 Credits each**	**4 Credits each**	
Certificate Course In Arts Sanskrit	1	1	संस्कृत नीतिकाव्य एवं व्याकरण	6				
		2	संस्कृत महाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक	6	संस्कृत भाषा अध्ययन			
Diploma in Arts-Sanskrit	2	3	संस्कृत महाकाव्य, भारतीय संस्कृति एवं व्याकरण	6				
		4	संस्कृत साहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध	6	श्रीमदभगवद्गीता का अध्ययन			
Bachelor of Arts-Sanskrit	3	5	साहित्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण	5			संस्कृत रूपकों में नाट्यशास्त्रीय तत्व	
			उपनिषद, पुराण एवं स्तोत्र काव्य	5				
		6	वैदिक वाङ्मय	5			वेद में योग का स्वरूप	
			धर्म शास्त्र स्मृति एवं कौटिलीय अर्थशास्त्र	5				

List of all Papers in Six Semester Semester - wise Titles of the Papers in Sanskrit					
Year	**Sem .**	**Course Code**	**Paper Title**	**Theory/Practical**	**Credits**
Certificate Course in Arts- Sanskrit					
FIRST YEAR	1		संस्कृत नीतिकाव्य एवं व्याकरण	Theory	6
	2		संस्कृत महाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक	Theory	6
			संस्कृत भाषा अध्ययन	Theory	4
Diploma in Arts - Sanskrit					
SECOND YEAR	3		संस्कृत महाकाव्य, भारतीय संस्कृति एवं व्याकरण	Theory	6
	4		संस्कृत साहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध	Theory	6
			श्रीमदभगवद्गीता का अध्ययन	Theory	4
Bachelor of Arts- Sanskrit					
Third Year	5		साहित्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण	Theory	5
			उपनिषद, पुराण एवं स्तोत्र काव्य	Theory	5
			संस्कृत रूपकों में नाट्यशास्त्रीय तत्व	Theory	4
	6		वैदिक वाङ्मय	Theory	5
			धर्म शास्त्र स्मृति एवं कौटिलीय अर्थशास्त्र	Theory	5
			वेद में योग का स्वरूप	Theory	4

(4)

CERTIFICATE COURSE IN UG		
Programme: *Certificate Course in Arts- Sanskrit*	Year: I	Semester:I Paper-I

Subject: Sanskrit

CourseCode: | **Course Title: संस्कृत नीतिकाव्य एवं व्याकरण**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर नीतिकाव्य से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत नीतिकाव्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
3. नीतिकाव्य में प्रयुक्त नैतिक शिक्षा का बोध कर सकेंगे।
4. संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
5. संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
6. स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
7. स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits: 6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	नीतिशतकम्– भर्तृहरि (प्रारम्भ की पाँच पद्धतियाँ)–संस्कृत नीतिसाहित्य का परिचय, भर्तृहरि का जीवनवृत्त एवं नीति साहित्य को योगदान, मूर्ख पद्धति, विद्वत्पद्धति, मान–शौर्य–पद्धति, अर्थपद्धति, दुर्जनपद्धति।	17
Unit II	हितोपदेश–मित्रलाभ (प्रारम्भिक दो कथायें)–नीति कथाओं का विकास एवं महत्त्व, पं0 नारायण का जीवनवृत्त एवं कृतियों का परिचय, हितोपदेश की प्रथम दो कथाओं का सारांश (वृद्धव्याघ्रपथिकयोः कथा एवं मृगजम्बुकयोः कथा), अनुवाद एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी।	16
Unit III	व्याकरण– संज्ञा प्रकरणम्–माहेश्वरसूत्राणि, लघुसिद्धान्तकौमुदी के संज्ञा प्रकरण से सूत्र संख्या– 1/3/3, 1/1/60, 1/3/9, 1/1/71, 1/2/27, 1/2/29, 1/2/30, 1/2/31, 1/1/8, 1/1/9, 1/1/69, 1/4/109, 1/1/7 एवं 1/4/14।	17
Unit IV	व्याकरण– शब्दरूप लेखन मात्र– राम, रमा, हरि, नदी, गुरु, अस्मद् एवं युष्मद्।	10
Unit V	धातुरूप– पठ्, गम्, भू, कृ, लिख्– पाँचों लकारों में लेखन मात्र– लट्, लृट्, लोट्, लङ् एवं विधिलिंङ्।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total- 90

Suggested Reading:

1. नीतिशतकम्– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
2. नीतिशतकम्– अनन्तराम शास्त्री।

Online meeting
15/7/22

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
...जीना विश्वविद्यालय,
... परिसर
... उत्तराखण्ड

3. हितोपदेश– डॉ0 प्रभुनाथ द्विवेदी।
4. हितोपदेश (मित्रलाभ)– रश्मिकला संस्कृत हिन्दी व्याकरण सहित।
5. हितोपदेश सं0 जीवानन्द विद्यासागर, कोलकता।
6. नीतिशतकम्, भर्तृहरि (व्या0) राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली 2003।
7. नीतिशतकम्, समीर आचार्य, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री वरदराजाचार्यकृत–'ललिता'– संस्कृत– हिन्दी टीकोपेता– डॉ0 कौशलकिशोरपाण्डेय–चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री वरदराजाचार्यकृत– व्याख्याकार श्री धरानन्दशास्त्री– चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

online meeting

15.7.2022

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एस० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड

CERTIFICATE COURSE IN UG			
Programme: *Certificate Course in Arts- Sanskrit*		**Year: I**	**Semester:II Paper-I**
Subject: Sanskrit			
CourseCode:	**Course Title: संस्कृतमहाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत महाकाव्य के अध्ययन से उनमें निहित महान् चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात् करेंगे।
3. विद्यार्थी संस्कृत महाकाव्य मे प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता प्राप्त करेंगे।
4. संस्कृत महाकाव्यों में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होंगा।
5. संस्कृत नाटक के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होंगे।
6. नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे तथा संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।

Credits:6	**Core Compulsory**
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Min. Passing Marks: 10+30=40**
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	रघुवंशम्–कालिदासकृत, द्वितीय सर्ग– 01 से 25 श्लोक पर्यन्त– सस्कृत महाकाव्य का सामान्य परिचय, महाकवि कालिदास का परिचय, रचनाएं, रघुवंशपरिचय, श्लोकों की व्याख्या एवं काव्यगत विशेषताएं।	14
Unit II	रघुवंशम्– कालिदासकृत, द्वितीय सर्ग– 26 से 50 श्लोक पर्यन्त–श्लोकों की व्याख्या, काव्यगत विशेषताएं एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	12
Unit III	छन्द परिचय–लक्षण एवं उदाहरण– अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, वंशस्थ, बसन्ततिलका, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, मालिनी, भुजङ्गप्रयात एवं मन्दाक्रान्ता। अलंकार परिचय–लक्षण एवं उदाहरण– अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, अतिशयोक्ति।	12
Unit IV	अभिज्ञानशाकुन्तलम्– कालिदासकृत, 1–4 अंक–श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	22
Unit V	नाट्यसाहित्य का सामान्य परिचय एवं नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली (दशरूपक के आधार पर)– नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, आकाशभाषित, विष्कम्भक, प्रवेशक, जनान्तिक, अपवारित, स्वगतकथन, एवं भरतवाक्य।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total- 90

online meeting

15.7.2022

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एन० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड

Suggested Reading:

1. राघुवंशम् महाकाव्यम्–सम्पा0 महावीर शास्त्री– प्रकाशन साहित्यभण्डार,सुभाष बाजार ,मेरठ–250002।
2– छन्दोऽलंकार ज्ञान– डॉ किरण टण्डन।
3– अलंकार शास्त्र का इतिहास– डॉ0 कृष्ण कुमार।
4– वृत्तरत्नाकर– पं0 केदारभट्ट– व्याख्या प0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5– साहित्यदर्पण– नवम्–दशम परिच्छेद।
6– छन्दोऽलंकार परिचय– डॉ0 लज्जा भट्ट, लक्ष्मी प्रकाशन।
7– छन्दोऽलंकार सौरभम्– डॉ0 सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली।
8– अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, साहित्य संस्थान इलाहाबाद।
9– अभिज्ञानशाकुन्तल एक विश्लेषण– डॉ0 देवीदत्त शर्मा।
10– संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, ज्ञान प्रकाशन भदौही।
11– संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
12– महाकवि कालिदास– रमाशंकर तिवारी।
13– संस्कृत नाटक– ए.बी. कीथ।
14– संस्कृत नाटक– रामजी उपाध्याय।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

Online meeting

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग 2022
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एस० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड

8

CERTIFICATE COURSE IN UG

Programme: ***Certificate Course in Arts- Sanskrit*** | **Year: I** | **Semester:I or II Paper-II**

Subject: Sanskrit

CourseCode: | **Course Title: संस्कृत भाषा अध्ययन**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. संस्कृत भाषा का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में व्याकरण के प्रति रूचि उत्पन्न हो सकेंगी।
2. संस्कृतभाषा को स्नातक–कलावर्ग के अतिरिक्त वाणिज्य एवं विज्ञानवर्ग के विद्यार्थी भी पढ़ सकते हैं।
3. संस्कृत भाषा के ज्ञान से नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक मूल्यों को समझ कर अपना लक्ष्य पूर्ण कर सकते हैं।
4. संस्कृतभाषा के अध्ययन से विद्यार्थी अन्य भाषा के स्रोत को सरलता से समझ सकते हैं।

Credits:4 | **Minor/ Elective Paper**

Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100 | **Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	संज्ञा प्रकरण–माहेश्वरसूत्र, प्रत्याहार, संस्कृत वर्णमाला परिचय एवं वर्णों के उच्चारण स्थान। संन्धि प्रकरण–अच् सन्धि (दीर्घ सन्धि, गुण सन्धि, यण् सन्धि, वृद्धि सन्धि, अयादि सन्धि, पूर्वरूप सन्धि एवं पररूप सन्धि।	15
Unit II	शब्दरूप लेखनमात्र– राम, हरि, रमा, फल। धातुरूप लेखनमात्र– पठ्, गम्, भू, दा।(पंचलकार– लट्, लृट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्) सर्वनामरूप लेखनमात्र– अस्मद्, युष्मद्।	05
Unit III	01 से 100 तक संख्यालेखन। दैनिकव्यावहारिक प्रचलित प्रशासनिक अंग्रेजी शब्दों का संस्कृतरूप। शब्दावली– शरीरवर्ग, परिवारवर्ग एवं भोज्य पदार्थ शब्दावली।	05
Unit IV	कारकप्रयोग, प्रत्ययपरिचय, उपसर्गपरिचय, अव्ययपरिचय, वाच्यपरिवर्तन।	14
Unit V	पत्रलेखन– शासकीयपत्र एवं अशासकीयपत्र। हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total- 60

Online meeting

2022

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एस० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड

(9)

Suggested Reading:

1– रचनानुवादकौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2– संस्कृत भाषा– अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
3– संस्कृत व्याकरण– डॉ प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थकार, जोधपुर।
4– लघुसिद्धान्त–कौमुदी– (संज्ञा, सन्धि प्रकरण) डॉ0 वेदपाल, साहित्य भण्डार, मेरठ।
5– लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ0 रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
6– लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डे, चौखम्बा प्रकाशन।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

online meeting

15.7.2022

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एस० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड

(10)

DIPLOMA COURSE IN UG

Programme: Diploma *Course in Arts- Sanskrit* | **Year: II** | **Semester:III Paper-I**

संस्कृत महाकाव्य **Subject: Sanskrit**

CourseCode: | **Course Title:** काव्य, भारतीयसंस्कृति एवं व्याकरण

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।
2. भारतीय संस्कृति के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृति की विशेषताओं से परिचित होंगे जिससे उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होंगा।
3. भारतीय सास्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् कर भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेगें।
4. संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

Credits: 6 | **Core Compulsory**

Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100 | **Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	किरातार्जुनीयम्, भारवि, प्रथम सर्ग–01 से 50 श्लोक पर्यन्त– महाकाव्य का परिचय, कवि परिचय, श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	17
Unit II	शिवराजविजयम्, अम्बिकादत्त व्यास, प्रथम विराम–ग्रन्थ परिचय, कवि परिचय, व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	16
Unit III	भारतीय संस्कृति– भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ, पंच महायज्ञ, संस्कार, पुरुषार्थ चतुष्ट्य, वर्णाश्रम व्यवस्था।	10
Unit IV	संन्धिप्रकरणम्– अच् सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)। हल् सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)। विसर्ग सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)।	15
Unit V	कारक प्रकरण, लघुसिद्धान्तकौमुदी से– सूत्रसंख्या– 2/3/46, 2/3/47, 1/4/49, 2/3/2, 1/4/51, 1/4/54, 1/4/42, 2/3/18, 1/4/32, 2/3/13, 2/3/16, 1/4/24, 2/3/28, 2/3/50, 1/4/45 एवं 2/3/36 सूत्रों की व्याख्या एवं उदाहरण।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	70 20 Total- 90

online meeting
15-2-2022

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय
एस० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड

Suggested Reading:

1–किरातार्जुनीयम् (भारविकृत)– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसी दास पब्लिकेशन, दिल्ली।
2– शिवराज विजय (अम्बिकादत्त व्यास) प्रथम विराम –डॉ0 रमाशंकर मिश्र।
3– भारतीय संस्कृति– डॉ0 किरन टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली।
4– भारतीय संस्कृति का इतिहास– डॉ0 नरेन्द्र देव सिंह शास्त्री।
5– भारतीय संस्कृति– डॉ0 इन्दुमती मिश्र।
6– आधुनिक गद्यसाहित्य का इतिहास– कलानाथ शास्त्री।
7– लघुसिद्धान्तकौमुदी (समास प्रकरण)– डॉ0 सूरेन्द्र देव शास्त्री।
8– लघुसिद्धान्तकौमदी (समास प्रकरण)– श्री धरानन्द शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, बनारस।
9– शिवराजविजय– डॉ0 बाबूरामत्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
10– लघुसिद्धान्तकौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

online meeting
15.7.2022

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एस० एस० जे० परिसर
-263601 उत्तराखण्ड

DIPLOMA COURSE IN UG

Programme: ***Diploma Course in Arts- Sanskrit***

Year: II | **Semester:IV**

Subject: Sanskrit | **Paper-I**

CourseCode: | **Course Title: संस्कृत साहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर पद्यसाहित्य एवं गद्यसाहित्य से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से पद्यसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे।
3. सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होंगा।
4. प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों के अध्ययन से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।
5. विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता को विकास होंगा।

Credits: 6

Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100 | **Core Compulsory**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0 | **Min. Passing Marks: 10+30=40**

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	शिशुपालवधम्– प्रथम सर्ग–01से 50 श्लोक पर्यन्त– संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त परिचय, महाकाव्य का संक्षिप्त परिचय, शिशुपालवधम् के सर्गों का संक्षिप्त परिचय, कृतिकार का परिचय, श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	17
Unit II	कादम्बरी, बाणभट्ट, शुकनासोपदेश– गद्यसाहित्य का परिचय, कादम्बरी का संक्षिप्त परिचय, गद्यकार परिचय, शुकनासोपदेश के अनुच्छेदों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न। ।	16
Unit III	दशकुमारचरितम्,(पूर्वपीठिका)– विश्रुतचरितम् दण्डीकृत– दशकुमारचरितम् का संक्षिप्त परिचय, गद्यकार परिचय, विश्रुतचरितम् के अनुच्छेदों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न। ।	10
Unit IV	(अ) प्राचीन सस्कृत साहित्यकार का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका योगदान यथा– वाल्मीकि, व्यास, भास, भवभूति, शूद्रक, बाणभट्ट, दण्डी, हर्षदेव, श्रीहर्ष। (ब) अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकार का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका योगदान यथा– अम्बिकादत्त व्यास, शिवप्रसाद भारद्वाज, हरिनारायण दीक्षित, अभिराजराजेन्द्र मिश्र, राधाबल्लभ त्रिपाठी, हरिदत्त शर्मा, रेवा प्रसाद द्विवेदी।	15
Unit V	निबन्ध लेखन (संस्कृत भाषा में)– संस्कृतभाषा, विद्या, उद्योगः, परोपकारः, स्त्रीशिक्षाः, अहिंसा, सत्संगतिः, पर्यावरणम्।	12
	Class Room Lectures	70
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	20
		Total- 90

online meeting

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग 22
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय
एस० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड

Suggested Reading:

1– शिशुपालवधम्– डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
2– संस्कृत साहित्य का इतिहास– कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।
3– संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
4– आधुनिक संस्कृत साहित्य– डॉ0 हीरालाल शुक्ल।
5– संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास– राधाबल्लभ त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
6– आधुनिक संस्कृत साहित्य सन्दर्भ सूची (सम्पादक) राधावल्लभ त्रिपाठी राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
7– आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा, मंजू लता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली।
8– संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास– सप्तम खण्ड आधुनिक खण्ड, उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, उत्तर प्रदेश।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

online meeting
15.7.2022

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एस० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड

DIPLOMA COURSE IN UG

Programme: *Diploma Course in Arts- Sanskrit* | **Year: II** | **Semester:III or IV Paper-II**

Subject: Sanskrit

CourseCode: | **Course Title:** श्रीमद्भगवद्गीता का अध्ययन

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के अन्तर्गत प्रतिपाद्य विषय से अवगत हो सकेंगे।
2. श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से कर्मसिद्धान्त एवं अध्यात्मज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. मानवजीवन में ज्ञान के महत्त्व को आत्मसात करने में सक्षम होंगे।
4. विद्यार्थी प्रबन्धन के क्षेत्र में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: 4 | **Minor/ Elective Paper**

Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100 | **Min. Passing Marks: 10+30=40**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	श्रीमद्भगवद्गीता का परिचय– महाभारत का संक्षिप्त परिचय, महर्षि वेद व्यास का संक्षिप्त परिचय एवं श्रीमद्भगवद्गीता के अध्यायों का परिचय।	05
Unit II	श्रीमद्भगवद्गीता में सांख्ययोग– श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के अन्तर्गत सांख्ययोग से सम्बन्धित विषय विवेचन।	10
Unit III	श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग– श्रीमद्भगवद्गीता के तृतीय एवं चतुर्थ अध्याय में निहित कर्म सिद्धान्त का विवेचन।	10
Unit IV	श्रीमद्भगवद्गीता में ज्ञानयोग– श्रीमद्भगवद्गीता के सम्पूर्ण अध्यायों में निहित ज्ञानयोग की विवेचना एवं महत्त्व।	14
Unit V	श्रीमद्भगवद्गीता में प्रबन्धन– श्रीमद्भगवद्गीता के वर्णित प्रबन्धन का विवेचन एवं मानवजीवन में प्रबन्धन की उपयोगिता।	10
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	49 11 Total- 60

Suggested Reading:

1. श्रीमद्भगवद्गीता– गीता प्रेस गोरखपुर।
2. श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दी टीकाकार– डॉ0 श्रीकृष्ण त्रिपाठी।
3. श्रीमद्भगवद्गीता (मधुसूदनी संस्कृत टीका)– श्री सनातन देव।
4. श्रीमद्भगवद्गीता– डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
5. गीताविज्ञानभाष्यम्– डॉ0 रामप्रकाश सारस्वत, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

Online meeting

अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एस० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड

(15)

DEGREE COURSE IN UG			
Programme: *Degree Course in Arts- Sanskrit*		Year: III	Semester:V Paper-I
साहित्य Subject: Sanskrit			
CourseCode:	Course Title: काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्य शास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे।
2. भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
3. दार्शनिक तत्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
4. व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेंगा।

Credits:5	Core Compulsory
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	Min. Passing Marks: 10+30=40

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	साहित्यदर्पण–षष्ठ परिच्छेद 01 कारिका से 150 कारिका पर्यन्त–काव्यशास्त्र का उद्भव एवं विकास, साहित्यदर्पण का संक्षिप्त परिचय, आचार्य विश्वनाथ का परिचय, कारिकाओं का अर्थ एवं टिप्पणी।	15
Unit II	साहित्यदर्पण–षष्ठ परिच्छेद 151 कारिका से लेकर समाप्ति पर्यन्त–कारिकाओं का अर्थ, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	12
Unit III	तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त– ग्रन्थ का परिचय, रचनाकार का परिचय, सूत्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	14
Unit IV	तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, अनुमान प्रमाण से समाप्ति पर्यन्त– सूत्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	12
Unit V	व्याकरण– प्रत्यय (कृदन्त) तव्यत्, अनीयर्, ण्वलु, तृच्, क्त, क्तवतु, क्तिन्, तुमुन् एवं घञ्। (लघुसिद्धान्तकौमुदी)– प्रत्यय परिचय, सूत्रों का व्याख्या, उदाहरण।	12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1. काव्यालंकार– शिवनारायण शास्त्री, परिमल प्रकाशन।
2. साहित्यदर्पण– प्रो0 सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
3. तर्कसंग्रह (अन्नम् भट्ट)– डॉ0 चन्द्रशेखर द्विवेदी।
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी– कृदन्त प्रकरण– महेश सिंह कुशवाहा।
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी– श्री धरानन्द शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, बनारस।
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री।

online meeting
15-7-2022

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एस० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड

7. लघुसिद्धान्तकौमुदी– वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1–6 भाग)।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी– गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डे, चौखम्बा प्रकाशन।
10.कृदन्त प्रकरणम्– डॉ0 लज्जा भट्ट– राधा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

online meeting
15-7-2022

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एस० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड

(17)

DEGREE COURSE IN UG			
Programme: *Degree Course in Arts- Sanskrit*		**Year: III**	**Semester:V Paper-II**
Subject: Sanskrit			
CourseCode:	**Course Title:** उपनिषद्, पुराण एवं स्तोत्रकाव्य		
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा। 2. पुराणों के अध्ययन से सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना से परिचित होंगे। 3. स्तोत्र काव्य के अध्ययन से कल्याण परक तथ्यों से परिचित होकर आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी। 4. स्तोत्र काव्य के रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।			
Credits: 5			
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100		**Core Compulsory**	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0		**Min. Passing Marks: 10+30=40**	
Unit	**Topic**		**No. of Lectures**
Unit I	उपनिषदों का सामान्य परिचय– उपनिषद् का अर्थ, उपनिषद् की संख्या, उपनिषदों का प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व।		12
Unit II	कठोपनिषद (प्रथम अध्याय)– कठोपनिषद का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, मन्त्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।		15
Unit III	पुराणों का सामान्य परिचय एवं महत्त्व– पुराण का अर्थ, प्रमुख पुराणों का परिचय, प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व।		14
Unit IV	श्रीमद्भागवद् पुराण का "नारायण कवच"– श्रीमद्भागवद् पुराण परिचय, महत्त्व एवं नारायण कवच का महत्त्व।		12
Unit V	स्तोत्र काव्य का सामान्य परिचय एवं आदित्यस्तोत्र– स्तोत्र काव्य का अर्थ, स्तोत्र काव्य परम्परा, महत्त्व, आदित्यस्तोत्र की श्लोकों की व्याख्या एवं टिप्पणी।		12
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc		65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1– कठोपनिषद्– सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
2– पुराण विमर्श– पण्डित बलदेव उपाध्याय, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
3– श्रीमद्भागवद् पुराण– गीता प्रेस, गोरखपुर।
4– वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कणसिंह।
5– पुराण तत्त्व मीमांसा– डॉ0 श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा साहित्य, वाराणसी।
6– श्रीमद्भागवतम्– सम्पा0 रामतेज पाण्डेय शास्त्री, चौखम्बा साहित्य, वाराणसी।

online meeting

15.7.2022

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एस० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड

Suggested Online Link:
Suggested equivalent online courses:
This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

(18)

DEGREE COURSE IN UG

Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***

	Year: III	**Semester:V Project**

Subject: Sanskrit

CourseCode:	**Course Title:** लघुशोध अध्ययन एवं कार्य– संस्कृत रूपकों में नाट्यशास्त्रीय तत्त्व

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यम से संस्कृत रूपकों एवं नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. संस्कृत साहित्य के प्रसार के लिए नाट्यशास्त्रीय अध्ययन सहायक होगा।
3. विद्यार्थी रूपकों के अध्ययन के माध्यम से शोध कार्य में कुशलता प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: 4

Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Project**
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Unit	**Topic**	**No. of Lectures**
Unit I	लघुशोध कार्य की भूमिका, उद्देश्य, महत्त्व एवं शोध प्रविधि का संक्षिप्त परिचय।	20
Unit II	संस्कृत साहित्य एवं संस्कृतसाहित्य की विधाओं का सामान्य परिचय, रूपक का सामान्य परिचय एवं रूपक भेद।	20
Unit III	नाट्यशास्त्र का सामान्य अध्ययन– नाट्यशास्त्र का परिचय, नाट्यशास्त्र के तत्त्वों का सामान्य परिचय, रूपकों में नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों का अन्वेषण एवं महत्त्व।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total- 60

Suggested Reading:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
2. नाट्यशास्त्र– भरतमुनि, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
3. संस्कृत वाङ्‌मय का बृहत इतिहास– पं0 बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश अकादमीय लखनऊ।
4. साहित्यदर्पण– शालिग्रामशास्त्रीविरचित, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
5. दशरूपकम्– धनञ्जय, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

online meeting
15.7.2022

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एस० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड

DEGREE COURSE IN UG			
Programme: *Degree Course in Arts- Sanskrit*		Year: III	Semester:VI Paper-I
वैदिक वाङ्मय Subject: Sanskrit			
CourseCode:	Course Title: वेद एवं वैदिक साहित्य		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी वैदिक वाड्ग्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीयकरण होगा।
3. वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थी को तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा।
4. वर्तमान समय में वेदांग के ज्ञान द्वारा मानव कल्याणार्थ अग्रसर होंगे।

Credits: 5	
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100	**Core Compulsory**
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0	**Min. Passing Marks: 10+30=40**

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	वेद– ऋग्वेद– अग्निसूक्त 1/1, अक्षसूक्त 10/34, पुरुषसूक्त 10/90– वैदिक साहित्य का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, सूक्तों का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, अन्वय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	15
Unit II	यजुर्वेद– शिवसंकल्पसूक्त– सूक्त का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, अन्वय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	12
Unit III	अथर्ववेद– पृथिवीसूक्त (द्वादशकाण्ड) 1 से 10 मन्त्र पर्यन्त– सूक्त का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, अन्वय, व्याख्या एवं टिप्पणी।	12
Unit IV	वेद, ब्राह्मण एवं आरण्यक ग्रन्थ परिचय– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का सामान्य परिचय, ब्राह्मण एवं आरण्यक का सामान्य परिचय एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इनका महत्त्व।	14
Unit V	वेदांग परिचय– वेदांग का अर्थ, शिक्षा, कल्प, व्याकरण, ज्योतिष, छन्द एवं निरुक्त का सामान्य परिचय एवं महत्त्व।	12
	Class Room Lectures	65
	Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	10
		Total- 75

Suggested Reading:

1– वैदिक सूक्त चयनिका– डॉ0 किरण टण्डन, डॉ0 जया तिवारी, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी ।
2– वैदिक सूक्त संकलन– विजय शंकर पाण्डे।
3– वैदिक सूक्त संग्रह– अयोध्या प्रसाद सिंह।
4– वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कर्णसिंह।
5– वैदिक साहित्य और संस्कृति का स्वरूप– डॉ0 ओम प्रकाश पाण्डे।
6– शिवसंकल्पसूत्रम्– संस्कृत हिन्दी टीका सहित– डॉ0 त्रिलोकी नाथ द्विवेदी, चौखम्बा साहित्य प्रकाशन, वाराणसी।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

online meeting
15.7.2022

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एस० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

DEGREE COURSE IN UG			
Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***		**Year: III**	**Semester:VI Paper-II**
	Subject: Sanskrit		
CourseCode:	**Course Title: स्मृति एवं कौटिलीय अर्थशास्त्र**		
Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि 1. स्मृति साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 2. मनुस्मृति के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं संस्कार का अवबोध कर सकेंगे। 3. याज्ञवल्क्य स्मृति के अध्ययन से आचार एवं व्यवहार का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 4. कौटिल्य अर्थशास्त्र के अध्ययन से अर्थनीति एवं राजनीति के मूलभूत सिद्धान्तों का अवबोध कर सकेंगे।			
Credits: 5		**Core Compulsory**	
Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100		**Min. Passing Marks: 10+30=40**	
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0			

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	स्मृति साहित्य का सामान्य परिचय– स्मृति का अर्थ, स्मृति साहित्य का परिचय, महत्त्व एवं प्रतिपाद्य विषय।	09
Unit II	मनुस्मृति, सप्तम अध्याय– 01 से 50 श्लोक पर्यन्त– मनुस्मृति का प्रतिपाद्य विषय, मनुपरिचय, श्लोकों की व्याख्या एवं टिप्पणी।	14
Unit III	याज्ञवल्क्य स्मृति, आचाराध्याय– गृहस्थधर्म प्रकरण (श्लोक 97 से 128 पर्यन्त)– याज्ञवल्क्य स्मृति का प्रतिपाद्य विषय, याज्ञवल्क्य परिचय, श्लोकों की व्याख्या एवं टिप्पणी।	14
Unit IV	कौटिल्य अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय– कौटिल्य अर्थशास्त्र का प्रतिपाद्य विषय, आचार्य कौटिल्य परिचय, कौटिल्य अर्थशास्त्र का महत्त्व एवं समीक्षात्म प्रश्न।	14
Unit V	कौटिलीय अर्थशास्त्र (विनयाधिकारिक प्रथम अधिकरण के प्रथम प्रकरण पर्यन्त)– प्रथम प्रकरण के अंशों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।	14
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	65 10 Total- 75

Suggested Reading:

1– मनुस्मृति– पण्डित रामेश्वरभट्ट कृत हिन्दी टीका सहित– चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली।
2– याज्ञवल्क्यस्मृति (हिन्दीव्याख्याकार)– डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डेय, आचार्य कपिलदेव गिरि– चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
3– वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 कणसिंह।
4– विशुद्ध मनुस्मृति– डॉ0 सुरेन्द्र कुमार।
5– मनुस्मृति हिन्दी व्याख्या सहित– डॉ0 गजानन्द शास्त्री मुसलगॉवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
6– याज्ञवल्क्यस्मृतिः– मिताक्षरा– संस्कृत तथा हिन्दी टीका सहित– गंगासागर राय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

Online meeting

15-7-2022

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एस० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड

DEGREE COURSE IN UG

Programme: ***Degree Course in Arts- Sanskrit***

Year: III | **Semester:VI Project**

Subject: Sanskrit

CourseCode: | **Course Title: लघुशोध अध्ययन एवं कार्य– वेद में योग का स्वरूप**

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी शोध के माध्यम से वेद एवं योगशास्त्र से परिचित होंगे।
2. भारतीय योग शास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे।
3. योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे जिसके अनुप्रयोग से स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे

Credits: 4

Max. Marks: 25 (Internel)+ 75 (External)=100 | **Project**

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 4-0-0 | **Min. Passing Marks: 10+30=40**

Unit	Topic	No. of Lectures
Unit I	लघुशोध कार्य की भूमिका, उद्देश्य, महत्त्व एवं शोध प्रविधि उपादेयता।	20
Unit II	वेद एवं योग परिचय– वेद का अर्थ, योग का अर्थ एवं परिभाषा।	20
Unit III	वेद में योग का स्वरूप– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, उपनिषद् एवं श्रीमद्भगवद्त गीता के सन्दर्भ में।	20
	Class Room Lectures Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc	Total- 60

Suggested Reading:

1. वैदिक साहित्य का इतिहास– डॉ0 करण सिंह, साहित्य भण्डार मेरठ।
2. पातंजलयोगदर्शनम्– पतंजलि कृत योगसूत्र, व्यास भाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत तत्त्ववैशारदी, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 1981।
3. योग दर्शन– हरि कृष्णदास गोयन्दका, गीता प्रेस गोरखपुर।
4. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति– आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन।
5. श्रीमद्भगवद्त गीता, (सम्पादक) गजानन शंभू साधले शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली 1988।
6. 108 उपनिषद्– ज्ञान खण्ड एवं साधना खण्ड– प्रकाशक युग निर्माण योजना विस्तार ट्रस्ट गायत्री तपोभूमि, मथुरा उत्तर प्रदेश।

Suggested Online Link:

Suggested equivalent online courses:

This course can be opted as an elective by the students of following subjects:

अन्य सभी विभाग एवं संकाय

Online meeting

अध्यक्ष, संस्कृत विभाग
सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय,
एस० एस० जे० परिसर
अल्मोड़ा-263601 उत्तराखण्ड